



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 25]

नई दिल्ली, शनिवार, जून 20, 1970 (ज्यैष्ठ 30, 1892)

No. 25]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 20, 1970 (JYAISTHA 30, 1892)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

नोटिस (NOTICE)

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र 28 मई 1970 तक प्रकाशित किये गये हैं :—

The undermentioned Gazettes of India Extraordinary were published up to the 28th May 1970:—

अंक (Issue No.)	संख्या और तिथि (No. and Date)	द्वारा जारी किया गया (Issued by)	विषय (Subject)
--------------------	----------------------------------	-------------------------------------	-------------------

—Nil—

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियां प्रकाशन प्रबन्धक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम मांग-पत्र भेजने पर भेज दी जाएंगी।
मांग-पत्र प्रबन्धक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तिथि से दस दिन के भीतर पहुँच जाने चाहिए।

Copies of the Gazettes Extraordinary mentioned above will be supplied on indent to the Manager of Publications, Civil Lines, Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Manager within ten days of the date of issue of these Gazettes.

विषय-सूची (CONTENTS)

भाग I—खंड 1—(रक्षा मन्त्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मन्त्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं ..	पृष्ठ 541	भाग II—खंड 3—उप-खंड (2)—(रक्षा मन्त्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मन्त्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं ..	2541
भाग I—खंड 2—(रक्षा मन्त्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मन्त्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	705	भाग II—खंड 4—रक्षा मन्त्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश ..	—
भाग I—खंड 3—रक्षा मन्त्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	—	भाग III—खंड 1—महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संलग्न तथा अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	685
भाग I—खंड 4—रक्षा मन्त्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	735	भाग III—खंड 2—एकस्व कार्यालय कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिसें	237
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	—	भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं	99
भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों सम्बन्धी प्रवर समितियों की रिपोर्टें ..	—	भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिसें शामिल हैं	385
भाग II—खंड 3—उप-खंड (1)—(रक्षा मन्त्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मन्त्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)	1981	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिसें ..	103
		पूरक संख्या 25—	
		13 जून 1970 को समाप्त होने वाले सप्ताह की महामारी सम्बन्धी साप्ताहिक रिपोर्टें ..	1025
		23 मई 1970 को समाप्त होने वाले सप्ताह के दौरान भारत में 30,000 तथा उससे अधिक आबादी के शहरों में जन्म तथा बड़ी बीमारियों से हुई मृत्यु से सम्बन्धित आंकड़े	1037
PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	541	PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	2541
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	705	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence	—
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence	—	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	685
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	735	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Offices, Calcutta	237
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations	—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	99
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills	—	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	385
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (1)—General Statutory Rules, (including orders, bye-laws, etc., of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	1981	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies ..	103
		SUPPLEMENT No. 25	
		Weekly Epidemiological Reports for week ending 13th June 1970	1025
		Births and Deaths from Principal diseases in towns with a population of 30,000 and over in India during week ending 23rd May 1970	1037

भाग I—खण्ड 1

PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notification relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 जून 1970

सं० 27-प्रेज/70—राष्ट्रपति मध्य प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं :

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री सतीश चन्द्र तिवारी,
सहायक उप-निरीक्षक,
जिला भिण्ड (मध्य प्रदेश) ।

श्री अकबर सिंह,
कांस्टेबल,
2री बटालियन, विशेष सशस्त्र दल,
मध्य प्रदेश ।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया ।

22 अगस्त, 1969 को श्री सतीश चन्द्र तिवारी, सहायक उपनिरीक्षक को, भवानी सिंह के गिरोंह के पांच डाकुओं के अमायां थाने के टिकरी गांव में उपस्थित होने की सूचना मिली । श्री तिवारी उपलब्ध पुलिस दल के साथ शीघ्र उक्त गांव को चल पड़े । गांव के पास पहुंच कर उन्होंने स्वयं गांव की टोह लेने का निश्चय किया । सादे कपड़ों में वेश के वेष में मुखबिर उन्हें डाकुओं के पास ले गया जहां उन्होंने एक डाकू को दवाई भी दी । यह जानते हुए भी कि डाकुओं का तनिक भी शक उनकी मौत का कारण हो सकता है, उन्होंने यह निर्भीक एवं साहसिक कदम उठाया ।

पुलिस दल में वापिस पहुंचने पर श्री तिवारी ने एक धावे का आयोजन किया और उस मकान को जिसमें डाकू छुपे थे, घेर लिया । डाकुओं ने गोली चलानी शुरू कर दी और भाग निकलने का प्रयास किया । श्री तिवारी मकान की छत पर चढ़ गये और डाकुओं पर एक ग्रेनेड फेंका, जिससे दो डाकू मारे गये ।

कांस्टेबल अकबर सिंह को गांव के रास्ते पर डाकुओं को बच निकलने से रोकने के लिए तैनात किया गया । जब डाकुओं ने गोलियों की बौछार करते हुए भागने का प्रयास किया तो श्री अकबर सिंह ने अपनी हल्की मशीन-गन से गोलीबारी करके उन्हें रोक दिया । उन्होंने मकान की छत पर चढ़े हुए दूसरे पुलिस कर्मचारियों को भी आह्वान किया । जब श्री अकबर सिंह ने तीन डाकुओं को खेतों की ओर बच निकलते देखा तो वे नये स्थान पर मोर्चा जमाने के लिए लगभग 200 गज तक दौड़ कर गये और इस प्रकार डाकुओं को भागने

से रोक दिया जिन्होंने श्री अकबर सिंह पर गोलियां चला दी । वे अविचलित रहे और डाकुओं पर जम कर गोली चलाते रहे तथा उन तीनों को मार डाला ।

इस मुठभेड़ में श्री सतीश चन्द्र तिवारी तथा श्री अकबर सिंह ने असाधारण साहस एवं कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया ।

2. ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिये जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 22 अगस्त, 1969 से दिया जायेगा ।

सं० 28-प्रेज/70—राष्ट्रपति उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं :

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री हरीश चन्द्र शाह,
पुलिस अधीक्षक,
गोरखपुर, उत्तर प्रदेश ।
श्री सीता राम सिंह,
पुलिस उप-निरीक्षक,
लिऊ, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश ।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया ।

10/11 नवम्बर, 1968 की रात्रि को सूचना मिली कि कुख्यात डाकू राम किशन अपने एक साथी के साथ चौरी चौरा थाने के अन्तर्गत एक ग्राम में एक मकान में छुपा हुआ है । सूचना मिलने पर श्री एच० सी० शाह ने शीघ्र उपलब्ध पुलिस दल को एकत्रित किया और लगभग प्रातः पौने चार बजे डाकुओं के छुपने के स्थान को घेर लिया । फिर उन्होंने डाकुओं को ललकारा और उनसे आत्म-समर्पण करने के लिये कहा । जब पुलिस की चेतावनियों का कोई प्रभाव नहीं हुआ तो श्री शाह ने मकान की दीवार में एक सुराख किया । ज्यों ही सुराख किया गया डाकुओं ने अन्दर से गोली चला दी । सम्भावित खतरों की परवाह किये बिना श्री शाह अग्रिम मोर्चे पर डटे रहे और उन्होंने स्वयं टी० एम० सी० से कमरे के अन्दर फायर किया । उन्होंने मकान के भीतर अश्रु-गैस के गोले फेंकने का आदेश भी दिया ताकि डाकुओं को मकान से बाहर निकलने के लिए बाध्य किया जा सके । किन्तु डाकू मकान की खिड़कियों से गोली चलाते रहे । श्री शाह श्री सीताराम सिंह के साथ रेंगते हुए खिड़कियों

के सामने 'पुआल' के ढेर के पीछे पहुँचे। डाकुओं की भारी गोलाबारी की परवाह किये बिना वे मकान की ओर बढ़े और राम किशन को गोली से मार डाला।

श्री हरीश चन्द्र शाह तथा श्री सीता राम सिंह ने असाधारण साहस एवं कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

2. ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिये जा रहे हैं। फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत श्री सीताराम सिंह को विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 11 नवम्बर, 1968 से दिया जायेगा।

सं० 29-प्रेज/70 राष्ट्रपति उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक का बार प्रदान करते हैं :

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री मनबोध सिंह चौहान,
पुलिस उप अधीक्षक (स्थानापन्न),
गोरखपुर, उत्तर प्रदेश।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

10/11 नवम्बर, 1968 की रात्रि को सूचना मिली कि कुख्यात डाकू राम किशन अपने एक साथी के साथ चोरी चोरा पुलिस थाने के एक गांव में एक मकान में छुपा हुआ है। सूचना प्राप्त होते ही एक पुलिस दल, जिसमें श्री एच० सी० शाह, पुलिस अधीक्षक, श्री मनबोध सिंह चौहान और एक पुलिस उप-निरीक्षक थे, डाकुओं के छुपने के स्थान की ओर गया और प्रातः पाँचे चार बजे उस स्थान को घेर लिया। उन्होंने डाकुओं को ललकारा और उनसे आत्म-समर्पण करने को कहा। जब पुलिस की चेतावनियों का कोई प्रभाव नहीं हुआ तो मकान की दीवार में एक सुराख किया गया और टी० एम० सी० गन से गोली चलाई गई। डाकुओं को मकान से बाहर निकालने के लिए बाध्य करने के लिए अश्रुगैस के गोले भी भीतर फेंके गये। किन्तु डाकू मकान की खिड़कियों से गोली चलाते रहे। श्री चौहान, श्री शाह और पुलिस उप-निरीक्षक के साथ रैंग कर 'पुआल' के ढेर के पीछे, जो खिड़कियों के सामने था, गये। डाकुओं की भारी गोलाबारी की परवाह किये बिना, श्री चौहान तथा दो अन्य अधिकारी मकान की ओर बढ़े और राम किशन को गोली से मार डाला।

श्री मनबोध सिंह चौहान ने असाधारण साहस एवं कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक के बार से संबंधित संविधि के छठे खंडवाक्य के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप पुलिस पदक नियमावली के नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 11 नवम्बर, 1968 से दिया जायेगा।

ब० जे० मोर, राष्ट्रपति के उप-सचिव

औद्योगिक विकास आन्तरिक व्यापार तथा समवाय कार्य मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक मई 1970

सं० एस० एस० आई० (बी)-3(7)/70—उद्योग मंत्रालय के संकल्प संख्या आर० आई० पी० सी०/1(1)/68, दिनांक 30

मई, 1968, के अन्तर्गत ग्रामीण उद्योग योजना समिति का पुनर्गठन किया गया था। ग्रामीण उद्योग योजना समिति के सदस्यों सूची में निम्नलिखित संशोधन किया जाए, अर्थात्:—

- (1) पैरा 1 में क्रम "आयुक्त, औद्योगिक सहकारी संख्या 29 : समितियाँ, औद्योगिक विकास, के स्थान पर आन्तरिक व्यापार तथा समवाय कार्य मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग)।
- रखा जाए "निदेशक (ग्रामीण औद्योगीकरण तथा औद्योगिक बस्तियाँ) विकास आयुक्त, लघु उद्योग का कार्यालय"।

(2) पैरा 3

के स्थान पर

"समिति का कार्यालय, औद्योगिक विकास तथा समवाय कार्य मंत्रालय, औद्योगिक विकास विभाग होगा तथा मंत्रालय में ग्रामीण उद्योग योजना समिति प्रकोष्ठ इस समिति के सचिवालय के रूप में काम करेगा"

रखा जाए

"औद्योगिक विकास, आन्तरिक व्यापार तथा समवाय कार्य मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के अन्तर्गत विकास आयुक्त (लघु उद्योग) को कार्यालय में समिति का कार्यालय होगा।"

आ० आर० पटनाभन, अवर सचिव

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास और सहकारिता मंत्रालय (कृषि विभाग)

नई दिल्ली-1 दिनांक 18 मई, 1970

संकल्प

सं० 11-9/69-मशीनरी—कृषि मशीनरी तथा उपकरण मण्डल के पुनर्गठन को अधिसूचित करते हुए इस मंत्रालय के संकल्प संख्या 5-1/67-मशीनरी दिनांक 29 अगस्त, 1969 के साथ पढ़ते हुए इस मंत्रालय के संकल्प संख्या 5-1/67-मशीनरी दिनांक 11 जुलाई, 1969 के पैरा 1 में, क्रम संख्या 27 के बाद निम्नलिखित को सम्मिलित किया जाए:—

28. उप-महानिदेशक (मृदा, शस्य-विज्ञान तथा इंजीनियरिंग) सदस्य भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली।

या

उप-कृषि आयुक्त (इंजीनियरिंग) विकल्प सदस्य भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प की एक प्रति समिति के समस्त सदस्यों, भारत सरकार के समस्त मंत्रालय/विभागों, प्रधान मंत्री सचिवालय, राष्ट्रपति सचिवालय, योजना आयोग मंत्री, मंत्री मण्डल सचिवालय, भारत के महा नियंत्रक तथा लेखा परीक्षक,

समस्त राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों के कृषि सचिव, खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास और सहकारिता मंत्रालय (कृषि विभाग), के समस्त संलग्न तथा अधीनस्थ कार्यालय, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, संसद पुस्तकालय (5 प्रतियां) और समस्त राज्य सरकारों तथा संघ राज्य क्षेत्रों को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प सामान्य जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

सं० 11-9/69-मशीनरी—कृषि मशीनरी तथा उपकरण मण्डल के पुनर्गठन की अधिसूचित करते हुए हम मंत्रालय के संकल्प संख्या 5-1/67-मशीनरी दिनांक 29 अगस्त, 1969 के साथ पढ़ते हुए इस मंत्रालय के संकल्प संख्या 5-1/67-मशीनरी दिनांक 11 जुलाई, 1969 के पैरा 1 में, क्रम संख्या 27 के बाद निम्नलिखित को सम्मिलित किया जाए :—

28. उप-महानिदेशक (मृदा, शस्य-विज्ञान तथा तथा इंजीनियरिंग) सदस्य
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्,
नई दिल्ली।

या

उप-कृषि आयुक्त (इंजीनियरिंग) विकल्प सदस्य
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्,
नई दिल्ली।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प की एक प्रति समिति के समस्त सदस्यों, भारत सरकार के समस्त मंत्रालय/विभागों, प्रधान मंत्री सचिवालय, राष्ट्रपति सचिवालय, योजना आयोग, मंत्री मण्डल सचिवालय, भारत के महा नियंत्रक तथा लेखा परीक्षक, समस्त राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों के कृषि सचिव, खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास और सहकारिता मंत्रालय (कृषि विभाग) के समस्त संलग्न तथा अधीनस्थ कार्यालय, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, संसद पुस्तकालय (5 प्रतियां) और समस्त राज्य सरकारों तथा संघ राज्य क्षेत्रों को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प सामान्य जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

अयोध्या प्रकाश, संयुक्त सचिव

शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रालय

पूर्व धर्मस्व अधिनियम, 1890 के मामले में

तथा

सर जमसेत जी जोजोभाय पारसी हितकारी संस्था बम्बई के
मामले में

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1970

सं० एफ० 10-1/70 मी० डी० एन०—सर जमसेतजी जोजोभाय हितकारी संस्था के प्रणामक द्वारा केन्द्रीय सरकार को आवदन पत्र दिया गया है कि नीचे दी गई अतिरिक्त प्रतिभूतियां उक्त संस्थान के पदनाम, भारत के पूर्व धर्मस्व के कोषाध्यक्ष, के अन्तर्गत निहित की जाएं जो कि भूतपूर्व बम्बई सरकार की

अधिसूचना सं० 452 तथा 453 दिनांक 7 मार्च 1906 में प्रकाशित संस्थानों के प्रशासन को योजना में दी गई शर्तों के अनुसार न्यास पर लागू की जाएंगी।

अब, पूर्व धर्मस्व अधिनियम, 1890 (1890 का 6) के अनुभाग 4, उप अनुभाग (1) में दिए गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार यह आदेश देती है कि उक्त प्रतिभूतियां भारत के पूर्व धर्मस्व के कोषाध्यक्ष में उपरोक्त शर्तों के अनुसार निहित की जाएं।

अनुसूची

प्रतिभूतियों के प्रकार	संख्या	मूल्य
53/4 प्रतिशत महाराष्ट्र राज्य विकास ऋण, 1981	000033/34 (2×500) के द्वारा	1000 रुपये (एक हजार रुपये)

सर जमसेत जी जोजोभाय पारसी हितकारी संस्था, बम्बई के मामले में

दिनांक जून, 1970

सं० एफ० 10/1/70-सी० डी० एन०—शिक्षा मंत्रालय के का० झा० सं० एफ० 11-1/69-बी० एम० ई० 2, दि० 26-9-1969 के अधीन, भारत की पूर्व धर्मस्व अक्षयनिधि के खजांची को, सर जमसेतजी जोजोभाय पारसी हितकारी संस्था, बम्बई के 4 प्रतिशत बम्बई पत्तन न्यास ऋणपत्र ऋण 1968-69 को पुनः वापसी से प्राप्त 4,500 रु० तक के मूल्य के धन को भारत के स्टेट बैंक के शेयरों में पुनः निवेश करने का प्राधिकार दिया गया था।

भारत को पूर्व धर्मस्व अक्षयनिधि के खजांची ने अब बताया है कि 4461.50 रु० की लागत के भारत के स्टेट बैंक के 13 शेयर खरीदने के पश्चात् उक्त पुनः निवेश पूरा हो चुका है, इस प्रकार 38.50 रु० की निवेश न की गई बकाया रकम रह गई है, जो निवेश किए जाने के लिए बहुत थोड़ी राशि है और इसलिए उसे संस्था के प्राधिकारियों को वापस किया जाना है।

इसलिए अब, पूर्व धर्मस्व अधिनियम, 1890 (1890 का 6) की धारा 10 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि 38.50 रु० (केवल अठ्ठीस रुपए पचास पैसे) की उक्त निवेश न की गई बकाया रकम सर जमसेतजी जोजोभाय पारसी हितकारी संस्था, बम्बई के प्राधिकारियों को लौटा दी जाए।

उमादत्त, अवसर सचिव

नई दिल्ली, दिनांक जून 1970

संकल्प

सं० एफ० 5-11/68 टी० 6—शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रालय के सममंख्यक संकल्प दिनांक 31 मार्च 1970 द्वारा स्थापित भारतीय प्रायोगिक संस्थान कानपुर की पुनरीक्षण समिति के सदस्य श्री आर० नरसिम्हन का सही नाम और पता निम्न रूप से पढ़ा जाए :—

5. प्रो० आर० नरसिम्हन
कम्प्यूटर कन्सल्टेशन

टाटा इन्स्टीट्यूट आफ फण्डामेंटल रिसर्च,
होमी भाभा रोड
बम्बई-5 ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प की प्रति निम्नलिखित को अग्रसारित की जाए :

1. समिति के अध्यक्ष, सदस्यों तथा सचिव,
2. कुल सचिव, भारतीय प्रायोगिक संस्थान, कल्याणपुर कैम्पस, कानपुर ।

और संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाय ।

एम० एन० बालिगा,
सहायक शिक्षा सलाहकार (तकनीकी)

नई दिल्ली, दिनांक मई 1970

सं० एफ० 4-6/69 सर्वे-3—राष्ट्रपति, सहर्ष यह निर्णय करते हैं कि भारतीय वनस्पति विज्ञान की सलाहकार समिति के अध्यक्ष का नामजद, इस मंत्रालय के संकल्प सं० एफ० 4-6/69 सर्वे-3 दिनांक 16 दिसम्बर 1969 द्वारा गठित भारतीय प्राणि विज्ञान सर्वेक्षण की सलाहकार समिति के दूसरे सदस्य होंगे ।

सीताराम अग्रवाल, अवर सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1970

सं० एफ० 12-5/70 यू०-3—विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 (1956 का 3) धारा 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, आयोग की सलाह पर, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की अधिसूचना सं० एफ० 9-1/60-यू०-2, दिनांक 4 सितम्बर 1961 को 5 जून 1970 को तथा इसी तारीख से रद्द करती है ।

एच० डी० गुलाटी
सहायक शिक्षा सलाहकार

सूचना और प्रसारण मंत्रालय (फिल्मों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार)

नई दिल्ली-1, दिनांक 6 जून 1970

संकल्प

सं० एफ० 7/1/69-एफ० आई० (एन० ए०)—भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय के संकल्प सं० 7/1/69-एफ० आई० (एन० ए०), तारीख 7 फरवरी 1969 में आंशिक संशोधन करते हुए, फिल्मों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार सम्बन्धी नियमावली में एतद्वारा निम्नलिखित और संशोधन किए जाते हैं :—

(क) उक्त नियमावली में—नियम 3 के उपनियम (3) के बाद निम्नलिखित उपनियम जोड़ दिया जाए, अर्थात् :—

“(4) वादा साहस फालके पुरस्कार- भारतीय सिनेमा के विकास में विशिष्ट योगदान के लिये विशेष पुरस्कार ।

11,000 रुपए का नकद पुरस्कार, एक प्रशस्ति चिह्न तथा एक दुशाला ।”

(ख) नियम 18 के बाद निम्नलिखित नियम जोड़ दिया जाए, अर्थात् :—

“19. भारतीय सिनेमा के विकास में विशिष्ट योगदान के लिए पुरस्कार का निर्णय भारत सरकार करेगी । इस प्रयोजन के लिए सरकार फिल्मों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों की केन्द्रीय समिति के अध्यक्ष से सलाह ले सकती है । सरकार का निर्णय अन्तिम माना जाएगा ।”

(ग) नियम 19 से 33 को 20 से 34 पुनर्संख्यांकित किया जाएगा ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि सर्वसाधारण के सूचनार्थ इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

वीरेन्द्र देव व्यास, उप सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 10th June 1970

No. 27-Pres./70.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Madhya Pradesh Police :—

Name of the officers and ranks

Shri Satish Chandra Tiwari,
Assistant Sub-Inspector of Police,
Bhind District, Madhya Pradesh.
Shri Akbar Singh,
Constable,
2nd Battalion, Special Armed Force,
Madhya Pradesh.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 22nd August, 1969, Shri Satish Chandra Tiwari, Assistant Sub-Inspector of Police, received information about the presence of five dacoits belonging to the gang of Bhawani Singh in Village Tikri, Police Station Amayan. Shri Tiwari left for the village immediately with the available police force. On reaching the outskirts of the village, he decided to carry out a reconnaissance of the village himself. Disguised in civilian clothes and posing as a Vaidya he had the informer take him to the dacoits where he actually administered medicine to one of them. Shri Tiwari took this bold and courageous step knowing that the slightest suspicion on the part of the dacoits would have resulted in his death.

Returning to the police party Shri Tiwari organised a raid and encircled the house where the dacoits were hiding.

The dacoits started firing and tried to break out. Shri Tiwari climbed on to the roof of the house and lobbed a grenade on the dacoits, killing two of them.

Constable Akbar Singh had been posted at the entrance of the village to prevent the escape of the dacoits.

When the dacoits tried to break out under cover of a barrage of fire, Shri Akbar Singh checked them by opening fire with his light machine gun. He also provided cover to the other police personnel who climbed on to the roof of the house. When Shri Akbar Singh saw three of the dacoits trying to escape into the fields, he ran a distance of about 200 yards to take up a fresh position and thus prevented the escape of the dacoits who then directed their fire on him. He remained undeterred and kept up steady fire on the dacoits killing all three of them.

In this encounter, Shri Satish Chandra Tiwari and Shri Akbar Singh displayed outstanding courage and devotion to duty.

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 22nd August, 1969.

No. 28-Pres./70.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Uttar Pradesh Police :—

Name of the officers and ranks

Shri Harish Chandra Shah,
Superintendent of Police,
Gorakhpur, Uttar Pradesh.
Shri Sita Ram Singh,
Sub-Inspector of Police,
Liu, Gorakhpur, Uttar Pradesh.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the night of the 10th/11th November, 1968, information was received that the notorious dacoit Ram Kishun along with one of his associates was hiding in a house in a village under the jurisdiction of Chauri Chaura Police Station. Immediately on receipt of the information, Shri Harish Chandra Shah collected the available police force and threw a cordon round the hide-out of the dacoits at about 3.45 a.m. He then called out to the dacoits and asked them to surrender. When the warnings of the police had no effect on the dacoits, Shri Shah had a hole made in the wall of the house. As soon as the hole was completed, the dacoits opened fire from inside. Unmindful of the risk involved, Shri Shah remained in the forefront and himself fired a burst of T.M.C. into the room. He also ordered the throwing of teargas shells inside the house in order to force the dacoits to come out, but the dacoit went on firing from the windows of the house. Shri Shah and Shri Sita Ram Singh crawled to positions behind a heap of fodder facing the windows. Then without regard for the heavy fire from the dacoits, they advanced up to the house and shot Ram Kishun dead.

Sarvashri Harish Chandra Shah and Sita Ram Singh displayed outstanding courage and devotion to duty.

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently in the case of Shri Sita Ram Singh the award carries with it with special allowance admissible under rule 5, with effect from the 11th November, 1968.

No. 29-Pres./70.—The President is pleased to award the Bar to the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Uttar Pradesh :—

Name of the officers and ranks

Shri Manbodh Singh Chauhan,

Deputy Superintendent of Police (Officiating),
Gorakhpur, Uttar Pradesh.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the night of 10th/11th November, 1968, information was received that the notorious dacoit Ram Kishun along with one of his associates was hiding in a house in a village of Chauri Chaura Police Station. Immediately on receipt of the information, a Police party including Shri H. C. Shah, Superintendent of Police, Shri Manbodh Singh Chauhan and a Sub-Inspector of Police left for the hideout of the dacoits and cordoned it at about 3.45 A.M. They called out to the dacoits and asked them to surrender. When the warnings of the Police had no effect on the dacoits, a hole was made in the wall of the house and a burst of T.M.C. gun was fired. A teargas shell was also thrown inside the house in order to force the dacoits to come out. But the dacoits went on firing from the windows of the house. Shri Chauhan alongwith Shri Shah and the Sub-Inspector of Police crawled to a position behind a heap of fodder facing the windows. Then, without regard for the heavy fire from the dacoits, Shri Chauhan and the other two officers advanced up to the house and shot Ram Kishun dead.

Shri Manbodh Singh Chauhan displayed outstanding courage and devotion to duty.

2. This award is made for gallantry under clause sixthly of the Statutes governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5 of the rule governing the award of the Police Medal with effect from the 11th November, 1968.

V. J. MOORE, Dy. Secy. to the President

LOK SABHA SECRETARIAT

New Delhi-1, the 19th May 1970

No. 4(1)-PU/70.—The following Members of Lok Sabha and Rajya Sabha have been declared as duly elected to serve as members of the Committee on Public Undertakings for the term ending on the 30th April, 1971.

Members from Lok Sabha

1. Shri Indrajit Gupta
2. Shri Kindar Lal
3. Shri Vishwa Nath Pandey
4. Shri T. A. Patil
5. Shri M. B. Rana
6. Shri P. M. Sayeed
7. Shri Digvijaya Narain Singh
8. Shri S. D. Somasundaram
9. Shri Surendra Kumar Tapuriah
10. Shri Om Prakash Tyagi.

Members from Rajya Sabha

1. Shri Syed Ahmad
2. Shri Balachandra Menon
3. Shri Dahyabhai V. Patil
4. Shri B. C. Pattanayak
5. Shri Kota Punnaiah.

The Speaker has been pleased to appoint Shri M. B. Rana as Chairman of the Committee.

S. C. MOOKERJEE, Dy. Secy.

New Delhi-1, the 19th May 1970

No. 5/1/70/PAC.—The following Members of Lok Sabha and Rajya Sabha have been elected to serve as Members of the Committee on Public Accounts for the term ending on 30th April, 1971.

Members of Lok Sabha

1. Shri J. M. Biswas.
2. Shri Narendra Ramchandraj Deoghare.
3. Shri C. T. Dhandapani.
4. Shri Bimalkanti Ghosh.
5. Shrimati Sucheta Kripalani.
6. Shri Bhola Nath Master.
7. Shri Raja Venkatappa Naik.
8. Chaudhary Nitiraj Singh.
9. Shri J. H. Patel.
10. Shrimati Savitri Shyam.
11. Shri Ramshekhar Prasad Singh.
12. Shri Atal Bihari Vajpayee.
13. Shri Balgovind Varma.
14. Shri G. Venkatswamy.
15. Shri P. Viswambharan.

Members of Rajya Sabha

16. Shri S. B. Bobdey.
17. Shri Banka Behary Das.
18. Shri P. C. Mitra.
19. Shri Niranjana Varma.
20. Shrimati Vidyawati Chaturvedi.
21. Shri Thillai Villalan.
22. Shri Sheel Bhadra Yajee.

2. The Speaker has been pleased to appoint Shri Atal Bihari Vajpayee as the Chairman of the Committee.

A. I. RAI, Dy. Secy.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 1st June 1970

No. SSI(B)-3(7)/70.—In the Ministry of Industry Resolution No. RIPC/1(1)/68, dated the 30th May, 1968, under which the Rural Industries Planning Committee was reconstituted, the following amendments may be made in the list of members of Rural Industries Planning Committee, namely :—

(i) S. No. 29 in para-1

For "Commissioner for Industrial Cooperatives, Ministry of Industrial Development, Internal Trade & Company Affairs (Department of Industrial Development)".

Substitute "Director (Rural Industrialization and Industrial Estates) in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries."

Para 3

For "The Office of the Committee will be located in the Department of Industrial Development in the Ministry of Industrial Development and Company Affairs and the Secretariat will be provided by the Rural Industries Planning Committee Cell in the Ministry."

Substitute "The Office of the Committee will be located in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), under the Ministry of Industrial Development, Internal Trade and Company Affairs (Department of Industrial Development)."

O. R. PADMANABHAN, Under Secy.

MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION

(Department of Agriculture)

New Delhi, the 18th May 1970

RESOLUTION

No. 11-9/69-MY.—In para I of this Ministry's Resolution No. 5-1/67-MY dated the 11th July, 1969, notifying the reconstitution of the Board of Agricultural Machinery and Implements as read with this Ministry's Resolution No. 5-1/67-MY dated the 29th August, 1969, the following be added after S. No. 27 :—

28. Deputy Director-General (Soils, Agronomy & Engg.), Indian Council of Agril. Research, New Delhi

Member

OR

Deputy Agricultural Commissioner (Engg.) Indian Council of Agril. Research, New Delhi

Alternate Member.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be forwarded to all Members of the Committee, all Ministries/Departments of the Government of India, the Prime Minister's Secretariat, the President's Secretariat, Planning Commission, Cabinet Sectt., Comptroller and Auditor General of India, Agri-Secretaries of all States and Union Territories, All Attached and Subordinate Offices of the Min. of Food, Agri., C.D. & Coopn. (Department of Agriculture), the Lok Sabha Sectt., The Rajya Sabha Secretariat, Parliament Library (5 copies) and all State Governments and Union Territories.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

A. PRAKASH, Jt. Secy.

MINISTRY OF EDUCATION AND YOUTH SERVICES

The 22nd May 1970

In the matter of the Charitable Endowments Act, 1890

And

In the matter of Sir Jamseljee Jejeebhoy Parsee Benevolent Institution, Bombay

No. F. 10-1/70-CDN.—Whereas an application has been made to the Central Government by the administrator of the Sir Jamseljee Jejeebhoy Benevolent Institute that the additional securities specified below be vested under the designation of the said Institution, in the Treasurer of Charitable Endowments for India, to be applied in Trust upon the terms contained in the Scheme of the administration of the Institution published in the erstwhile Government of Bombay Notifications Nos. 452 and 453 dated the 7th March, 1906;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 4 of the Charitable Endowments Act, 1890 (6 of 1890), the Central Government hereby orders that the said securities shall vest in the Treasurer of Charitable Endowments for India upon the terms aforesaid.

The Schedule

Kind of Securities	Number	Face value
5—3/4% Maharashtra State Development Loan, 1981	By 000033/34 (2 × 500)	Rs. 1,000/- (Rupees one thousand only)

In the matter of Sir Jamsetjee Jejeebhoy Parsee Benevolent Institution, Bombay

No. F.10-1/70-CDN.—Whereas by O.M. No. F.11-1/69-BSE.2 dated the 26th July, 1969 from the Ministry of Education, the Treasurer of Charitable Endowments for India was authorised to re-invest the repayment proceeds of the 4% Bombay Port Trust Debenture Loan 1908-69 of the face value of Rs. 4,500/- belonging to the Sir Jamsetjee Jejeebhoy Parsee Benevolent Institution, Bombay in the shares of the State Bank of India.

And whereas the Treasurer of Charitable Endowments for India has reported that the said re-investment has since been completed by purchasing 13 shares of the State Bank of India at a cost of Rs. 4461.50, thus leaving an un-invested balance of Rs. 38.50 which is too small an amount for investment and has therefore to be refunded to the authorities of the Institution.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 10 of the Charitable Endowment Act, 1890 (6 of 1890), the Central Government hereby directs that the said un-invested balance of Rs. 38.50 (Rupees thirty eight and paise fifty only) be refunded to the authorities of the Sir Jamsetjee Jejeebhoy Parsee Benevolent Institution, Bombay.

UMA DATT, Under Secy.

New Delhi, the 29th May 1970

RESOLUTION

No. F.5-11/68-T.6.—In the Ministry of Education & Youth Services Resolution of even number dated the 31st March, 1970, setting up a Reviewing Committee for the Indian Institute of Technology, Kanpur, the correct name and address of Shri R. Narasimhan, one of the members be read as under :

5. Prof. R. Narasimhan,
Computer Installation,
Tata Institute of Fundamental Research,
Homi Bhabha Road,
Bombay-5.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be forwarded to :

1. The Chairman, Members and Secretary of the Committee.
2. The Registrar, Indian Institute of Technology, Kalyanpur, Campus, Kanpur.

and that the Resolution be published in the Gazette of India.

M. N. BALIGA, Asstt. Educational Adviser (T)

New Delhi, the June 1970

No. F.4-6/69-Sur.III.—The President is pleased to decide that a nominee of the Chairman of the Advisory Committee for the Botanical Survey of India will be another Member of the Advisory Committee for the Zoological Survey of India constituted vide this Ministry's Resolution No. F.4-6/69-Sur.III dated the 16th December, 1969.

S. R. AGARWAL, Under Secy.

New Delhi, the 5th June 1970

No. F.12-5/70-U.3.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the University Grants Commission Act, 1956 (3 of 1956), the Central Government, on the advice of the Commission, hereby cancels the Government of India, Ministry of Education notification No. F.9-1/60-U2, dated the 4th September, 1961, with effect on and from the 5th June, 1970.

H. D. GULATI, Asstt. Edl. Advr.

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi-1, the 1st June, 1970

CORRIGENDUM

No. F. 4/9/68-CIS—In the Rules for the Competitive Examination held by the Union Public Service Commission in April, 1970 for selection of Released Emergency Commissioned Officers/Short Service Commissioned Officers for the purpose of filling temporary vacancies in Grade IV of the Central Information Service published in the Gazette of India, Part-I, Section 1, dated the 27th September, 1969 for the existing entries, please read the following :—

For	Read
Page-706, Rule 1, line 4 column 1—the word 'Commission'	'Commissioned'
Page-706, Rule-1, line 11, column-2 the word 'Rples'	'Rules'
Page-706, Rule 2, line 3, column 2, the word 'under'	'Union'
Page-707, Column-2, NOTE II under rule 8, line 3, the word 'foregoing' ..	'foregoing'
Page-707, column 2, NOTE III, under rule 8, line 3, the word 'Commission' ..	'Union Public Service Commission'
Page-707, column 2, Para 2 of rule 9, line 3, the word 'were'	'will'
Page-708, column 1, Rule 13 (a) (i), line 3, the word 'Commission' ..	'Union Public Service Commission'
Page-708, column 1, rule 13 (a) (ii), line 2, the word 'and'	'to be deleted'
Page-708, column 1, proviso to rule 13, line 8, the word 'and'	'or'

Appendix I

Page-708, column 2, under the heading 'INDIAN UNIVERSITIES', line 1, the word 'and'	'an'
Page-708, column 2, in the heading 'UNIVERSITIES OF PAKISTAN' the word 'OF'	'IN'

Appendix II

Page-709, column 1, Item 6, the figure '6'	'7'
--	-----

Appendix III

Page-709, column 1, page under para 2, (column 1) the word 'Paper' ..	'Papers'
---	----------

Appendix IV

Page-709, column 2, para 3 (i) line 4, the words and figures 'Junior Administrative Grade—12½%	'Junior Administrative Grade (Junior Scale) —12½%.
Page-709, column 2, para 3 (i) line 5 the words '(Junior Scale)'	May be deleted

B. S. SINGH, Dy. Secy.

(National Awards for Films)

New Delhi, the 6th June 1970

RESOLUTION

No. F. 7/1/69-FI(NA).—In partial modification of the Resolution of the Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting No. 7/1/69-FI(NA) dated 7th February, 1969, the following further amendments to the Rules for the National Awards for Films are hereby notified :—

- (a) In the said rules—after sub-rule (III) of rule 3 the following sub rule shall be inserted, namely :—

“(IV) DADASAHEB PHALKE AWARD—*Special award for the outstanding contribution to the cause of Indian cinema.*

Cash Prize of Rs. 11,000/-, a plaque and a shawl.”

- (b) after rule 18, the following rule shall be inserted, namely,—

“19. The award for outstanding contribution to the cause of Indian cinema shall be decided by the Government of India. For this purpose, the Government may also consult the Chairman of the Central Committee of the National Awards for Films. The decision of the Government shall be final.”

- (c) rules 19 to 33 shall be renumbered as rules 20 to 34.

ORDER

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

VIRENDRA D. VYAS, Dy. Secy.